DEPARTMENT OF ECONOMICS
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR
LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA (BIHAR)

By :- Dr. Raman kumar Thakur
Assistant Professor (Guest)
Mo. No. :- 9430640318(Whatsapp)
e-mail :- ramankumar_2011@rediffmail.com

B.A. Part - I(H)
Date :- 04.04.2020 - 06.04.2020

*** मांग तथा मांग की लोच (DEMAND AND ELASTICITY OF DEMAND)**

अर्थशास्त्र में माँग का अभिप्राय केवल आवश्यकता अथवा इच्छा से नहीं होता, बल्कि उस आवश्यकता या इच्छा से होता है जिसे पूर्ण करने के लिए उपभोक्ता के पास पर्याप्त साधन हो और वह उन साधनों को व्यय करने के लिए सदैव तत्पर हो। इस प्रकार प्रभावपूर्ण इच्छा को उपभोक्ता की मांग कहा जा सकता है। परंतु मांग के संबंध में दो तत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है प्रथम , मांग सदैव एक निश्चित कीमत स्तर से संबंधित होती है जब कीमत स्तर में परिवर्तन हो जाता है तब मांग भी परिवर्तित हो जाती है।

द्वितीय, मांग का संबंध सदैव एक निश्चित समय से होता है। इन दोनों तत्वों को ध्यान में रखते हुए मांग की परिभाषा इस प्रकार से दी जा सकती है। "किसी वस्तु की मांग उस वस्तु की वह मात्रा है जिसे किसी निश्चित समय में उपभोक्ता विभिन्न कीमतों पर खरीदने की इच्छा अथवा क्षमता रखता है।" मांग का नियम (Law of Demand) मांग के नियम के अनुसार यदि अन्य बातें स्थिर रहे तो अधिक कीमत पर वस्तु की कम मात्रा और कम कीमत पर वस्तु की अधिक मात्रा की मांग होती है ।

दूसरे शब्दों में यदि मांग को प्रभावित करने वाले अन्य तत्वो को स्थिर मान लिया जाए तो " किसी वस्तु की कीमत तथा उसकी मांग में विपरीत संबंध होता है " यहाँ यह महत्वपूर्ण है कि मांग नियम वस्तु की कीमत और उसकी मांग के मात्रात्मक संबंध को नहीं प्रकट करता है बल्कि केवल फलनातमक संबंध को प्रकट करता है। इसका अभिप्राय यह है कि इस नियम के आधार पर यह तो कहा जा सकता है कि कीमत में वृद्धि होने पर मांग में कमी होती है ।परंतु कीमत में निश्चित वृद्धि के फलस्वरुप वस्तु की मांग में कितनी कमी होगी यह नहीं कहा जा सकता है।

* मांग को प्रभावित करने वाले तत्व :- उपभोक्ता द्वारा की जाने वाली किसी वस्तु की मांग निम्नलिखित तत्वों से प्रभावित होती है :-

(1.) वस्तु की कीमत (Price of the Commodity):- किसी वस्तु की मांग पर उसकी कीमत का अत्यधिक प्रभाव पड़ता है। इसलिए भिन्न-भिन्न किमतो पर वस्तु की भिन्न-भिन्न मात्राओं की मांग की जाती है ।

By :- Dr. Raman kumar Thakur
Assistant Professor (Guest)
Mo. No. :- 9430640318(Whatsapp)
e-mail :- ramankumar_2011@rediffmail.com

(2) उपभोक्ता की आय (Consumer's Income) :- किसी वस्तु की मांग को प्रभावित करने वाला एक तत्व उपभोक्ता की आय होती है ।सामान्य रूप में जब उपभोक्ता कि आय अधिक होती है तो वह वस्तु की अधिक मांग करता है। और आय कम होने पर वह कम मांग करता है ।

(3) उपभोक्ता की रुचि :- उपभोक्ता द्वारा की जाने वाली किसी वस्तु की मांग उस वस्तु के प्रति उपभोक्ता की रूचि (Taste)पर भी निर्भर करती है ।इसलिए रुचि में होने वाले परिवर्तनों के साथ-साथ उपभोक्ता के मांग में भी परिवर्तन होता जाता है।

(4.) संबंधित वस्तुओं की कीमत(Price of Related Commodites) :- किसी वस्तु की मांग केवल उसी वस्तु की कीमत से प्रभावित नहीं होती, बल्कि अन्य वस्तुओं की कीमतों से भी प्रभावित होती है। मांग फलन (Demand function) किसी बाजार में एक दिए हुए समय में किसी वस्तु का मांग फलन उस वस्तु की मांगी जाने वाली विभिन्न मात्राओं और इन मात्राओं को निर्धारित करने वाले तत्वों के संबंध को प्रदर्शित करता है । हम जानते हैं कि किसी वस्तु की मांगी जाने वाली मात्रा चार तत्वो :-

1.)पहला उस वस्तु की कीमत

2.) उपभोक्ता कि आय

3.) उपभोक्ता की रुचि तथा

4.) संबंधित वस्तुओं की कीमतों द्वारा निर्धारित होती है ।

इस प्रकार उपभोक्ता द्वारा मांगी गई मात्रा और उपयुक्त चार तत्वों के संबंध को मांग फलन कहते हैं । यदि हम D उपभोक्ता द्वारा किसी वस्तु की मांगी जाने वाली मात्रा , P द्वारा उस वस्तु की कीमत ,Y द्वारा उपभोक्ता की आय, Pr द्वारा संबंधित वस्तुओं की कीमतों , तथा t द्वारा उपभोक्ता की रुचि को प्रदर्शित करें तो हम मांग फलन को निम्नलिखित रुप में प्रस्तुत कर सकते हैं-

$$D = f(p, y, t, pr)$$

By :- Dr. Raman kumar Thakur
Assistant Professor (Guest)
Mo. No. :- 9430640318(Whatsapp)
e-mail :- ramankumar_2011@rediffmail.com

*** मांग सारणी(Demand Schedule)**

वह तालिका होती है जिसमें किसी वस्तु की विभिन्न कीमतें और उन कीमतो पर उपभोक्ता द्वारा उस वस्तु की मांगी जाने वाली मात्राओं को प्रदर्शित किया जाता है। जैसा कि दी गई एक काल्पनिक उपभोक्ता की मांग सारिणी से स्पष्ट हो जाता है- A वस्तु की कीमत रुपए 2 3 4 5 6 7 / A वस्तु की मांग 40 35 25 16 5 1 उपर्युक्त सारिणी में वस्तु एक ही विभिन्न कीमतों और उनसे संबंधित मांग को प्रदर्शित किया गया है । इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि कीमत में वृद्धि होने पर उस वस्तु की मांग घटती जाती है। मांग वक्र (Demand curve) मांग सारिणी की भांति मांग वक्र भी किसी वस्तु की विभिन्न कीमतों और उनसे संबंधित मांग को प्रदर्शित करता है। जबकि उपभोक्ता की मांग को प्रभावित करने वाले अन्य तत्वों को स्थिर मान लिया गया है।

By :- Dr. Raman kumar Thakur
Assistant Professor (Guest)
Mo. No. :- 9430640318(Whatsapp)
e-mail :- ramankumar_2011@rediffmail.com

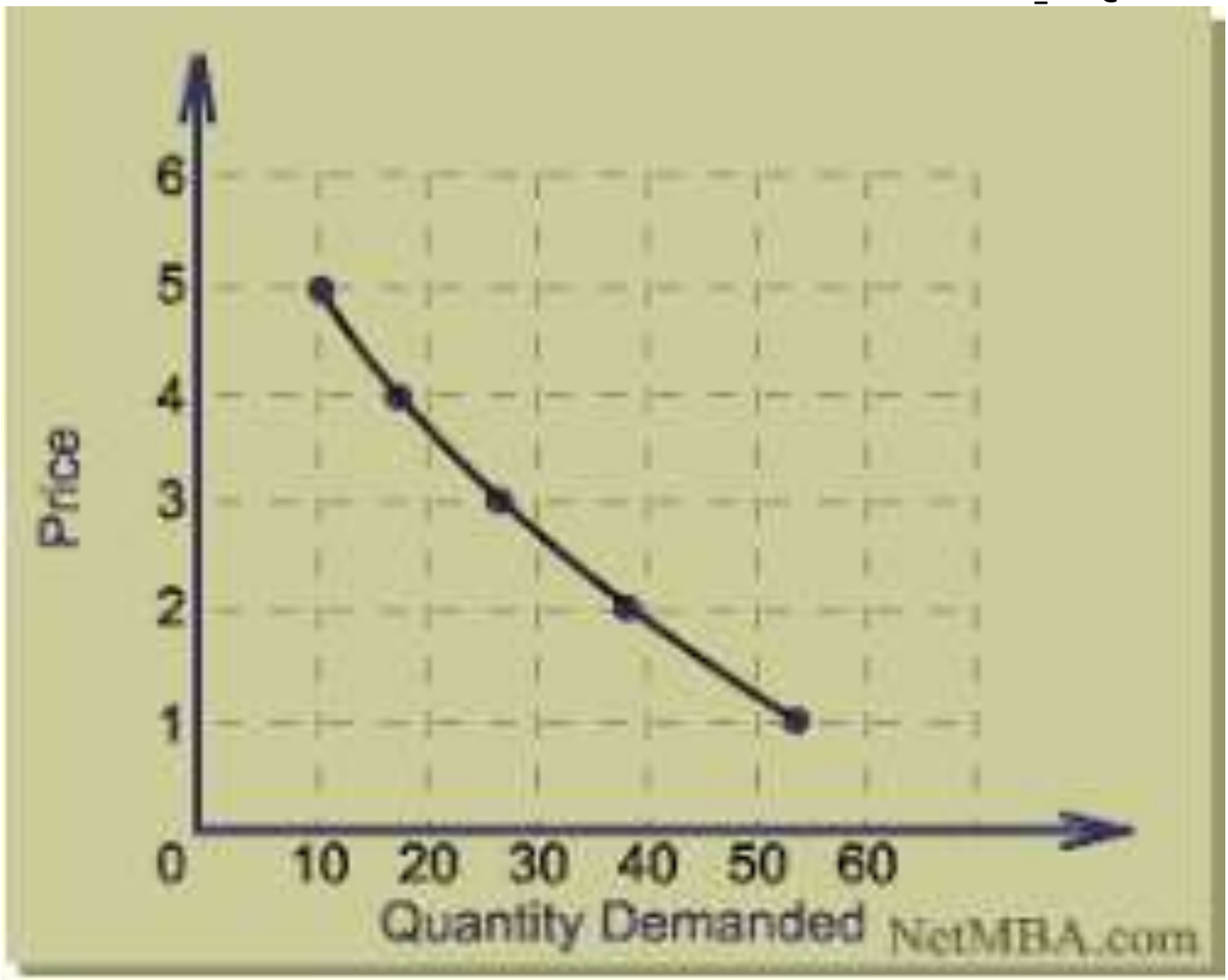

इस रेखा चित्र के द्वारा स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है :- उपर्युक्त रेखा चित्र में X अक्ष पर वस्तु A की माँग तथा Y अक्ष पर वस्तुओं की कीमतों को प्रदर्शित किया गया है | वक्र DD1 मांग वक्र है जो बाएं से दाएं नीचे को गिरता है। यह वक्र मांग नियम को प्रदर्शित करता है चित्र के अनुसार op1 कीमत पर उपभोक्ता वस्तु A की OM1 मात्रा की मांग करता है । कीमत बढकर op2 हो जाने पर वस्तु की मांग घटकर om2 रह जाती है ।

By :- Dr. Raman kumar Thakur
Assistant Professor (Guest)
Mo. No. :- 9430640318(Whatsapp)
e-mail :- ramankumar_2011@rediffmail.com

इसी प्रकार जब कीमत Op3 तक बढ़ जाती है तो मांग घट कर Om3 हो जाती है । इसके विपरीत यदि हम मांग वक्र पर बिंदु R से बिंदु S और T की ओर चले तो यह स्पष्ट हो जाता है कि कीमत में कमी होने पर वस्तु की मांग में वृद्धि हो जाती है।अतः मांग वक्र DD1 मांग के नियम को प्रदर्शित करता है।